

24/3/21
 पालवली पत्रा दुई भाईलमा गयी
 एजेर मही भाईलमा गयी जे नाम
 गालम नाम बापुदे तल गाल-गल
 कर भाषान बाबाई गई, किन्तु गयी
 भाईलमा हाजेर नही। नही गयी
 भाईलमा तौ भाई जे बाई हाजेर।
 लेनी दिखी मे भाईलमा गयी का
 पाठको भन्नाए हाजेर ॥ न १०४ पठि
 १९९६ को भणक पछी भणक हाजेर
 मे २००१ जे किम जात हो। पालवली
 की गालम निधीक इन्जानकी जाकर
 जेप भाषाक जायेर भाईलमा
 मही जे। निधीमे कुल गालम मे
 हुनमा गये।

(सुनील शर्मा)
 सहायक कलक्टर
 उपखण्ड अधिकारी,
 राशमी

